



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 311]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 27, 1972/आषाढ 6, 1894

No. 311]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 27, 1972/ASADHA 6, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 23rd June, 1972

S.O. 445(E)/18AA/IDRA/72.—Whereas the Central Government is satisfied from the documentary evidence in its possession:—

- (i) that the industrial undertaking owned by the Andhra Scientific Company Ltd., Machilipatnam, has been closed for a period of not less than three months; and
- (ii) that such closure is prejudicial to the concerned scheduled industry, namely, the Scientific instruments industry and that the financial condition of the company owning the industrial undertaking and the condition of the plant and machinery of such undertaking are such that it is possible to restart the undertaking and such restarting is necessary in the interests of general public.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) the Central Government hereby authorises Colonel DURAIRAJ MICHAEL SAMY (hereinafter referred to as the authorised person) to take over the management of the whole of the industrial undertaking of the Andhra Scientific Company Ltd., Machilipatnam, subject to the following terms and conditions, namely:—

- (i) the authorised persons shall comply with all directions issued from time to time by the Central Government;
- (ii) take all actions required to be taken by him on his appointment as such under the Industries (R&D) Act 1951.
- (iii) the authorised persons shall hold office for a period of five years from the date of publication of this order in the official gazette; but the Central Government may terminate the appointment of the authorised person earlier, if it considers it necessary to do so.

2. This order shall have effect for a period of five years commencing from the date of its publication in the official Gazette.

[No. F.2/19/72-CUC.]

K. S. BHATNAGAR, Jt. Secy.

औद्योगिक विकास प्रबन्धालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 23 जून, 1972

का० प्रा० 445(प्र)/18/कक/प्र.ई० डी० आर० ए०/72.—यतः केन्द्रीय सरकार का अने कब्जे में के दस्तावेजी साक्ष्य से यह समाधान हो गया हो कि :—

- (i) आन्ध्र सांइटिफिक कंपनी लिमिटेड, मछलीपट्टनम् के स्वामित्व का औद्योगिक उपक्रम तीन मास से अन्यून अवधि के लिए बंद कर दिया गया है ; और
- (ii) ऐसी बंदी से संबंध अनुसूचित उद्योग, अर्थात्, वैज्ञानिक उपकरण उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, और औद्योगिक उपक्रम के स्वामित्व वाली कंपनी की वित्तीय दशा और ऐसे उपक्रम के संयंत्र और मशीनरी की दशा ऐसी है कि उपक्रम को फिर चालू करना संभव है और इस प्रकार फिर चालू करना जनसाधारण के हित में आवश्यक है ।

अतः, अब, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 18 कक की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, कर्नल दुरैराज मैकेलसामि को (जिसे इसमें इसके पश्चात् प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है) आंध्र सांइटिफिक कंपनी लिमिटेड, मछलीपट्टनम् के सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध-ग्रहण करने के लिए, निम्नलिखित निबन्धनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, एतद्द्वारा प्राधिकृत करती है, अर्थात् :—

- (i) प्राधिकृत व्यक्ति केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर जारी किए गए सभी निदेशों का अनुपालन करेगा ;
- (ii) उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 के अधीन इस प्रकार उसकी नियुक्ति पर उसके द्वारा ली जाने के लिए अपेक्षित सभी कार्रवाइयां करेगा ;
- (iii) प्राधिकृत व्यक्ति राजपत्र में इन आदेश के प्रकाशन की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेगा ; किन्तु केन्द्रीय सरकार, प्राधिकृत व्यक्ति की नियुक्ति, यदि ऐसा करना वह आवश्यक समझती हो, उसके पहले ही समाप्त कर सकेगी ।

2. यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रारम्भ होकर पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी होगा ।

[नं० फा० 2/19/72-सी० यू० सी०]

के० एस० भटनागर, संयुक्त सचिव ।